राष्ट्रीय-बहुराष्ट्रीय कंपनियों की लूट
दमन, विस्थापन, असमान राष्ट्रीय विकास
आदिवासी-देशज भाषा-संस्कृति की उपेक्षा
और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के खिलाफ

जल, जंगल, जमीन पर मालिकाना हक के लिए
पुरखा अधिकार और स्वशासन के लिए
विविधतापूर्ण समाज-संस्कृति के लिए
झारखंडी अस्मिता और अधिकार के लिए

हासा-भाषा की ग्लोबल लूट की छूट नहीं

चौथा महासम्मेलन

6-7 मई 2017
शहीद स्मृति केंद्रीय पुस्तकालय सभागार
मोरहाबादी, राँची (झारखण्ड)

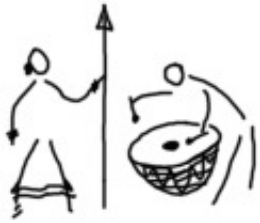

झारखण्डी भाषा साहित्य संस्कृति

अखड़ा

Contact : 9234301671, 0651-2201261
www.akhramahasammelan.in
www.akhra.org.in
www.twitter.com/JharkhandiAkhra
www.facebook.com/sanskritiakhra
E-mail: toakhra@gmail.com

प्रस्तावित कार्यक्रम

पहला दिन 6 मई 2017 (शनिवार)

रजिस्ट्रेशन सुबह 9 बजे से आगमन तक
उद्घाटन सत्र 11.30 से 1.30 बजे
भोजनावकाश 1.30 से 2.30 बजे
विमर्श सत्र 2.30 से 5 बजे
चाय 5 से 5.30 बजे संध्या
सांस्कृतिक सत्र 5.30 से 8.30 बजे
रात्रि भोजन 8.30 बजे से

उद्घाटन सत्र के अतिथि:

चौथीराम यादव, सुप्रसिद्ध आलोचक (बनारस)
प्रेमकुमार मणि, बहुजन विचारक/पूर्व सांसद (पटना)
वाहरू सोनवने, सुख्यात आदिवासी साहित्यकार (महाराष्ट्र)
दमयंती बेसरा, वरिष्ठ संताली साहित्यकार, (ओड़िसा)
सुशीला धुर्वे, सुख्यात गोंड लेखिका, मध्य प्रदेश

दूसरा दिन 7 मई 2017 (रविवार)

नाश्ता सुबह 7 से 7.45 बजे
प्रतिनिधि सत्र सुबह 8 से 1 बजे
- क्षेत्रीय समिति एवं भाषावार रिपोर्ट प्रस्तुति
- महासचिव द्वारा सांगठनिक रिपोर्ट प्रस्तुति
- भावी कार्यक्रम, रणनीति एवं प्रस्ताव
- सामूहिक चर्चा

केन्द्रीय समिति चुनाव 1 से 1.30 बजे
भोजन 1.30 से 2.30 बजे
सम्मान एवं समापन सत्र 2:30 से 5.30 बजे
जलपान 5.30 से 6 बजे संध्या
सांस्कृतिक सत्र 6 से 9 बजे रात्रि

सम्मान/समापन सत्र के अतिथि:

बिशप निर्मल मिंज, बौद्धिक अगुआ (रांची)
मुकुंद नायक, सुप्रसिद्ध गायक कलाकार (रांची)
संजय भालोटिया, संस्कृतिकर्मी (रानीगंज)

महासम्मेलन स्थल

शहीद स्मृति केन्द्रिय पुस्तकालय सभागार
(सेंट्रल लायब्रेरी हॉल), राँची विश्वविद्यालय,
मोरहाबादी, राँची (झारखण्ड)

टिप्पणी : यह प्रस्तावित कार्यक्रम है और इसमें अंतिम समय तक परिवर्तन की संभावना है.